

प्रेषक,

दीपक कुमार,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,

उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,

नियर बालाजी मंदिर,

झाझरा, देहरादून।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग:

देहरादून: दिनांक: 19 मार्च, 2015

विषय:- उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, झाझरा, देहरादून के अन्तर्गत निर्माणाधीन "विज्ञान धाम" हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या UCS&T/विज्ञान धाम/2013-14/7453 दिनांक 31.12.2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत कार्य हेतु शासन को उपलब्ध कराये गए पुनरीक्षित आगणन 719.32 लाख का टी0ए0सी0, वित्त विभाग के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गई धनराशि रू0 712.39 लाख के आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रश्नगत कार्य हेतु अब तक कुल रू0 567.00 लाख की अवमुक्त धनराशि को समायोजित करने के उपरान्त अवशेष धनराशि रू0 145.39 लाख के विरुद्ध श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2014-15 में विज्ञान धाम के निर्माण हेतु संलग्न आई0डी0 के अनुसार रू0 20.00 लाख की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि का इस मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या- 20147/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 तथा समय-समय पर जारी अन्य शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय उन्हीं कार्यों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 2- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 3- कार्य करने से पूर्व किसी तकनीकी अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तो प्राप्त करके ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।
- 4- भवन निर्माण के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग/वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण कार्य निर्धारित समयानुसार सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जायेगी।

- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि दिनांक 31.03.2015 तक पूर्ण उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को प्रतिमाह उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 6- आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7- इस सम्बन्ध में किया जाने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-23 लेखाशीर्षक -3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान-60-अन्य-004-अनुसंधान-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-विज्ञान धाम की स्थापना-00- आयोजनागत के अन्तर्गत मानक मद सं0-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।
- 8- उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 318/XXVII(1)/2014 दिनांक 18.03.2014 एवं शासनादेश संख्या 435/XXVII(1)/2014 दिनांक 01.04.2014 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं। स्वीकृति सम्बन्धी मूल शासनादेश की सभी शर्तें यथावत् रहेंगी।

संलग्नक: अलॉटमेंट आई0डी0

भवदीय,

(दीपक कुमार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 174(1)/XXXVIII/15-47/2007, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकार/कोषाधिकार, देहरादून।
- 4- अपर सचिव, वित्त-बजट।
- 5- निजी सचिव, मा0 मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- नियोजन विभाग।
- 7- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 8- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह पतियाल)
उप सचिव।